Aspire. Achieve. Be the Change.

NMMC No. 93 SCHOOL PROGRESS REPORT

August 2024

ACADEMIC ACHIEVEMENT

1. Unit test Assessment and Progress Evaluation

The primary objective of the unit tests we conducted for Grades 1-7 was to assess the understanding and retention of the concepts taught during the first quarter of the academic year. These assessments aimed to identify areas of strength and areas requiring further improvement among students, providing valuable feedback for both educators and learners.

The First Unit Test, conducted from 13th July to 18th July, covered the initial chapters taught in each subject. All students from Grades 1-7 participated in this assessment. However, the overall performance was below expectations, with many students struggling to grasp core concepts. This outcome highlighted the need for reinforcing these topics in upcoming lessons to ensure a better understanding and stronger academic foundation for the students. The Second Unit Test was held from 14th August to 20th August. All students from Grades 1-7 participated in this assessment. The results showed a noticeable improvement, with students demonstrating a better understanding and application of concepts, particularly in the subjects that were challenging during the first test. This positive outcome reflects the effectiveness of the remedial measures implemented after the first unit test, indicating progress in students' academic performance.

Incorporation of critical thinking and application-based questions. In order to challenge students to go beyond rote memorization, encourage them to think deeply about the material and apply their knowledge to real-world scenarios. This practice aimed to enhance students' problem-solving skills and their ability to understand and use concepts in practical situations.

The unit tests have had a significant impact on both students and teachers. For students, the tests provided an opportunity to gauge their understanding and work on their weaknesses. For teachers, the outcomes of the tests highlighted the need for differentiated instruction and targeted interventions.

यूनिट टेस्ट मूल्यांकन और प्रगति मूल्यमापन ग्रेड 1-7 के लिए हमारे द्वारा आयोजित यूनिट टेस्ट का प्राथमिक उद्देश्य शैक्षणिक वर्ष की पहली तिमाही के दौरान सिखाई गई अवधारणाओं की समझ और उनका आकलन करना था। इन मूल्यांकनों का उद्देश्य छात्रों के बीच महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान करना है जिनमें और सुधार की आवश्यकता है, जिससे शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए मूल्यवान प्रतिपुष्टि प्रदान की जा सके। 13 जुलाई से 18 जुलाई तक आयोजित प्रथम यूनिट टेस्ट में प्रत्येक विषय में पढ़ाए गए प्रारंभिक पाठों को शामिल किया गया। इस मूल्यांकन में कक्षा 1-7 तक के सभी छात्रों ने भाग लिया। हालाँकि, समग्र प्रदर्शन उम्मीदों से कम था, कई छात्रों को मूल अवधारणाओं को समझने में संघर्ष करना पड़ा। इस परिणाम ने छात्रों के लिए बेहतर समझ और मजबूत शैक्षणिक नींव सुनिश्चित करने के लिए आगामी पाठों में इन विषयों को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। दूसरा यूनिट टेस्ट 14 अगस्त से 20 अगस्त तक आयोजित

THE AKANKSHA FOUNDATION MUMBAI-33

किया गया था। इस मूल्यांकन में कक्षा 1-7 तक के सभी छात्रों ने भाग लिया। परिणामों में उल्लेखनीय सुधार दिखा, छात्रों ने अवधारणाओं की बेहतर समझ और अनुप्रयोग का प्रदर्शन किया, विशेष रूप से उन विषयों में जो पहले टेस्ट के दौरान चुनौतीपूर्ण थे। यह सकारात्मक परिणाम पहली यूनिट टेस्ट के बाद लागू किए गए उपचारात्मक उपायों की प्रभावशीलता को दर्शाता है, जो छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन में प्रगति का संकेत देता है। समीक्षात्मक सोच और अनुप्रयोग-आधारित प्रश्नों का समावेश। छात्रों को रटकर याद करने से आगे बढ़ने की चुनौती देने के लिए, उन्हें सामग्री के बारे में गहराई से सोचने और अपने ज्ञान को वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों पर लागू करने के लिए प्रोत्साहित करें। इस अभ्यास का उद्देश्य छात्रों की समस्या-समाधान कौशल और व्यावहारिक स्थितियों में अवधारणाओं को समझने और उपयोग करने की उनकी क्षमता को बढ़ाना है। यूनिट परीक्षणों का छात्रों और शिक्षकों दोनों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। छात्रों के लिए, परीक्षणों ने उनकी समझ को मापने और उनकी कमजोरियों पर काम करने का अवसर प्रदान किया। शिक्षकों के लिए, परीक्षा के परिणामों ने विभेदित निर्देश और लक्षित हस्तक्षेप की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

2. Book lovers week

Making bookmarks & creating awareness about the reading app. Reading app which is designed to help school students improve their reading habits, Enhance literacy skills and make reading more engaging. Apps like Epic, Raz Kids, Libby, Reading Eggs, Hooked on Phonics, Newsela, Sora, Book Creator, Audible which is fostering creativity, connecting art with reading, developing precision, attention to detail. Improved literacy skills, reading comprehension and fluency.

A bookmark making activity is an arts and crafts project where participants create their own bookmarks using various materials and techniques. Daily reading challenge, reading log and reflection, interactive read aloud session, reading quizzes, and personal reading plans were planned.

It enhanced creative expression, artistic skill development, promoted reading habits, patience and focus. It also improved reading Skills, increased reading engagement, personalized learning, enhanced digital literacy.

पुस्तक प्रेमी सप्ताह -

बुकमार्क बनाना और रीडिंग ऐप के बारे में जागरूक करना। रीडिंग ऐप जो स्कूली छात्रों को उनकी पढ़ने की आदतों में सुधार करने, साक्षरता कौशल बढ़ाने और पढ़ने को और अधिक आकर्षक बनाने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एपिक, Raz किड्स, लिब्बी, रीडिंग एग्स, हुक्ड ऑन फोनिक्स, न्यूसेला, सोरा, बुक क्रिएटर, ऑडिबल जैसे एप्लिकेशन रचनात्मकता को बढ़ावा दे रहे है, कला को पढ़ने से जोड़ रहे है, सटीकता विकसित कर रहे है तथा विस्तार पर ध्यान दे रहे है। इससे साक्षरता कौशल, पढ़ने की समझ, धाराप्रवाहता और उच्चारण में सुधार आया।

बुकमार्क बनाने की गतिविधि एक कला और हस्तकला परियोजना है जहां प्रतिभागी विभिन्न सामग्रियों और तकनीकों का उपयोग करके अपने स्वयं के बुकमार्क बनाते हैं। दैनिक पठन चुनौती, पठन लॉग और रिफ्लेक्शन, इंटरैक्टिव पठन सत्र, पठन प्रश्नोत्तरी और व्यक्तिगत पठन योजनाओं की योजना बनाई गई थी।

इसने रचनात्मक अभिव्यक्ति, कलात्मक कौशल विकास, पढ़ने की आदतों, धैर्य और ध्यान को बढ़ावा दिया। इसने पढ़ने के कौशल में भी सुधार किया है, पढ़ने के लिए लोगों की भागीदारी बढ़ाई है, व्यक्तिगत रूप से सीखने में मदद की है और डिजिटल साक्षरता को बढ़ाया है।

3. Mini PD of Sharing Best Practice (Pre-primary) - 17th August 2024

Tech Integration tools for Kindergarten helps to understand how independent learning practices help children. It helps kindergarten teachers use technology in their lessons. It helped teachers to introduce the tech tools like Spinner wheel, interact.me, kahoot, wordwall.net and tux paint to make learning fun.

Kindergarten teachers got ideas regarding resources that can be made in phonics, numeracy, life skills, art and hindi for learning in a fun way. The session began with an interactive icebreaker activity by Jisha didi to engage participants. Jisha didi, Reshma didi and Fareen didi then explained the benefits of tech tools in kindergarten classrooms like Spinner wheel, interacty.me, kahoot, wordwall.net and tux paint. Teachers even got an opportunity to try them out and brainstorm ways to use them in different subjects. An open Q&A addressed any questions.

Independent learning resources were arranged according to the area where teachers can get an idea how each child is allowed to explore the resources and learn the concept like identifying the CVC words, tracing letters and numbers and understanding the concept of comparison. The session incorporated a "sharing best practices" approach, where Jisha didi, Reshma didi and Fareen didi shared their knowledge and successful strategies for using technology in the classroom. The hands-on practice session allowed for active learning and personalised exploration of tools. The focus on practical application and brainstorming activities ensured that the training translated into actionable strategies for the teachers.

The mini PD session was attended by kindergarten teachers who actively participated in the discussions and activities. Teachers expressed increased confidence in utilising technology tools in their classrooms. Through hand-on practice, teachers brainstormed various ways to integrate the tools into their curriculum, enhancing students' engagement and learning experiences.

The session aims to improve the quality of kindergarten education by - fostering a more engaging and interactive learning environment for kindergarten students. Promoting active participation and a love for learning through technology. Enhancing teaching experience for educators by providing them with new resources for effective lesson planning. Based on the feedback from participants, follow-up sessions can be conducted to provide deeper exploration of specific tools or address any further needs.

शेयरिंग बेस्ट प्रैक्टिस (प्री-प्राइमरी) की मिनी पीडी - 17 अगस्त 2024

किंडरगार्टन के लिए टेक इंटीग्रेशन टूल्स यह समझने में मदद करते हैं कि स्वतंत्र सीखने की प्रथाएं बच्चों की कैसे मदद करती हैं। किंडरगार्टन शिक्षकों को अपने पाठों में प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में इससे मदद मिलती हैं । शिक्षकों को स्पिनर व्हील, interact.me, कहूट, wordwall.net, टक्स पें जैसे तकनीकी उपकरणों से परिचित कराना और सीखने को मनोरंजक बनाना इस पीड़ी का मूल उद्देश्य था।

इससे किंडरगार्टन शिक्षकों को उन संसाधनों के बारे में विचार प्राप्त करने में मदद मिली जो ध्वनिविज्ञान, संख्यात्मकता, जीवन कौशल, कला और हिंदी में मज़ेदार तरीके से सीखने के लिए बनाए जा सकते हैं। सत्र की शुरुआत प्रतिभागियों को शामिल करने के लिए जिशा दीदी द्वारा एक इंटरैक्टिव आइसब्रेकर गतिविधि के साथ हुई। जिशा दीदी, रेशमा दीदी और फरीन दीदी ने किंडरगार्टन कक्षाओं में स्पिनर व्हील, interact.me, कहूट, wordwall.net, टक्स पें जैसे तकनीकी उपकरणों के लाभों के बारे में बताया। शिक्षकों को उन्हें आज़माने और विभिन्न विषयों में उनका उपयोग करने के तरीकों पर विचार-मंथन करने का अवसर भी मिला। साथ ही किसी भी प्रश्न का समाधान करने हेतु एक खुला प्रश्नोत्तरी सत्र भी रखा गया।

क्षेत्र के अनुसार स्वतंत्र शिक्षण संसाधनों की व्यवस्था की गई थी, जहां शिक्षक यह अंदाजा लगा सकते हैं कि कैसे प्रत्येक बच्चे को संसाधनों का पता लगाने और CVC शब्दों की पहचान करने, अक्षर और संख्याओं का पता लगाने, तुलना की अवधारणा को समझने जैसी अवधारणा सीखने की अनुमति दी जाती है। सत्र में 'बेस्ट प्रैक्टिस' को साझा करना शामिल था। इसमें जिशा दीदी, रेशमा दीदी और फरीन दीदी ने कक्षा में प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए अपने ज्ञान और सफल रणनीतियों को साझा किया। व्यावहारिक अभ्यास सत्र ने सक्रिय सीखने और उपकरणों की व्यक्तिगत खोज की अनुमति दी। व्यावहारिक अनुप्रयोग और विचार-मंथन गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने से यह सुनिश्चित हुआ कि प्रशिक्षण शिक्षकों के लिए कार्रवाई योग्य रणनीतियों में तब्दील हो गया। मिनी पीडी सत्र में किंडरगार्टन शिक्षकों ने भाग लिया जिन्होंने सक्रिय रूप से चर्चाओं और गतिविधियों में भाग लिया। शिक्षकों ने अपनी कक्षाओं में प्रौद्योगिकी उपकरणों के उपयोग में विश्वास बढ़ाया। व्यावहारिक अभ्यास के माध्यम से, शिक्षकों ने अपने पाठ्यक्रम में उपकरणों को एकीकृत करने, छात्रों की सहभागिता और सीखने के अनुभवों को बढ़ाने के विभिन्न तरीकों पर विचार-मंथन किया।

सत्र का उद्देश्य किंडरगार्टन छात्रों के लिए अधिक आकर्षक और इंटरैक्टिव शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देकर किंडरगार्टन शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है। प्रौद्योगिकी के माध्यम से सक्रिय भागीदारी और सीखने के प्रति प्रेम को बढ़ावा देना। प्रभावी पाठ योजना के लिए शिक्षकों को नए संसाधन उपलब्ध कराकर उनके शिक्षण अनुभव को बढ़ाना। प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया के आधार पर, विशिष्ट उपकरणों की गहन खोज प्रदान करने या किसी और आवश्यकता को संबोधित करने के लिए अनुवर्ती सत्र आयोजित किए जा सकते हैं।

4. Central PD Pre-primary

Writing PD, Tech integration in K-2 and Lesson Planning for Thematic

The PD was conducted on 17th August to introduce how to use the IDEEP process of writing and strategies. How to use camera and keynotes apps and provide opportunities for students to explore. Creating lesson plans for upcoming thematic sessions. The session started with an opening activity that featured stations with Navnirmiti Maths resources. Reiteration of the IDEEP process for writing in K-2 was done. The facilitator read the RAZ book "Birthday Party" and asked open-ended questions to guide teachers on how to read the book in class and which questions to ask the children. During the Read aloud story session on "My Mother's Sari," teachers had the opportunity to reflect on their own mothers' saris, considering aspects like texture, print, material, and color. During the tech integration session, teachers were divided into groups and given tasks that required them to use the camera and Keynote app on tabs. They created and presented their projects using these tools.

In kindergarten, the IDEEP writing process introduces innovative practices by guiding young learners through a structured approach to writing. This method helps children brainstorm ideas, draft their thoughts, edit their work, and share their stories. By focusing on creativity and self-expression, IDEEP encourages kindergartners to develop their writing skills in a fun and engaging way. Using the Keynote app and camera in kindergarten introduces an innovative practice that enhances learning through technology. Children can use the camera to take pictures of their artwork or classroom activities, and then use the Keynote app to create digital presentations. This approach allows young learners to visually document their experiences, organize their thoughts, and share their creations in a dynamic and interactive way.

सेंट्रल पीडी प्री-प्राइमरी

राइटिंग पीडी, के-2 में तकनीकी एकीकरण और विषयगत के लिए

पाठ योजना पीडी को लेखन और रणनीतियों की IDEEP (आईडीईईपी) प्रक्रिया का उपयोग करने के तरीके से परिचित कराने के लिए 17 अगस्त को आयोजित किया गया था। कैमरा और कीनोट ऐप्स का उपयोग कैसे करें और छात्रों को संशोधन के अवसर कैसे प्रदान करें। आगामी विषयगत सत्रों के लिए पाठ योजनाएँ बनाना। सत्र की शुरुआत एक प्रारंभिक गतिविधि से हुई जिसमें नवनिर्मित गणित संसाधनों वाले स्टेशन शामिल थे। K-2 में लिखने के लिए IDEEP प्रक्रिया की पुनरावृत्ति की गई। फैसिलिटेटर ने RAZ बूक 'बर्थडे पार्टी' पढ़ी और शिक्षकों से यह मार्गदर्शन करने के लिए ओपन एंडेड प्रश्न पूछे कि कक्षा में पुस्तक कैसे पढ़ें और बच्चों से कौन से प्रश्न पूछें। 'माय मदर्स सारी' पर 'रीड अलाउड स्टोरी' सत्र के दौरान, शिक्षकों को बनावट, प्रिंट, सामग्री और रंग जैसे पहलुओं पर विचार करते हुए अपनी माँ की साड़ियों पर विचार करने का अवसर मिला। तकनीकी एकीकरण सत्र के दौरान, शिक्षकों को समूहों में विभाजित किया गया और ऐसे कार्य दिए गए जिनके लिए उन्हें टैब पर कैमरा और कीनोट ऐप का उपयोग करना आवश्यक था। उन्होंने इन उपकरणों का उपयोग करके अपनी परियोजनाएं बनाई और प्रस्तुत कीं।

किंडरगार्टन में, आईडीईईपी लेखन प्रक्रिया युवा शिक्षार्थियों को लेखन के लिए एक संरचित दृष्टिकोण के माध्यम से मार्गदर्शन करके नवीन प्रथाओं का परिचय देती है। यह विधि बच्चों को विचारों पर विचार करने, उनके विचारों का मसौदा तैयार करने, उनके काम को संपादित करने और उनकी कहानियों को साझा करने में मदद करती है। रचनात्मकता और आत्म-अभिव्यक्ति पर ध्यान केंद्रित करके, आईडीईईपी किंडरगार्टनर्स को अपने लेखन कौशल को मज़ेदार और आकर्षक तरीके से विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। किंडरगार्टन में कीनोट ऐप और कैमरे का उपयोग एक अभिनव अभ्यास पेश करता है जो प्रौद्योगिकी के माध्यम से सीखने को बढ़ाता है। बच्चे अपनी कलाकृति या कक्षा की गतिविधियों की तस्वीरें लेने के लिए कैमरे का उपयोग कर सकते हैं, और फिर डिजिटल प्रस्तुतियाँ बनाने के लिए कीनोट ऐप का उपयोग कर सकते हैं। यह दृष्टिकोण युवा शिक्षार्थियों को अपने अनुभवों को दृश्य रूप से दस्तावेज़ित करने, अपने विचारों को व्यवस्थित करने और अपनी रचनाओं को गतिशील और इंटरैक्टिव तरीके से साझा करने की अनुमति देता है।

THE AKANKSHA FOUNDATION MUMBAI-33

STUDENT VOICE AND WELLBEING

1. School Anniversary

Celebrating a school anniversary honors the institution's history and achievements, strengthens community bonds, inspires current students and staff, and fosters school pride. It also serves as an opportunity for fundraising and future development. And to see the journey of our school that began in 2018 with a small number of students and staff members and has now grown to over 1500 children and 100 teachers by 2024.

On 8th August video was sent across which was shown during assembly for Primary and afternoon meet in Pre-primary. Children enjoyed watching the video and seeing their photos. Children got to know and to see the journey of the school.

The impact of celebrating a school anniversary on students includes fostering pride in their school, deepening their sense of belonging, inspiring them to uphold the school's values, and motivating them to contribute to its legacy of success.

STUDENT VOICE AND WELLBEING

(छात्रों की आवाज़ और कल्याण)

स्कूल की सालगिरह

स्कूल की सालगिरह का जश्न संस्थान के इतिहास और उपलब्धियों का सम्मान करता है, सामुदायिक बंधन को मजबूत करता है, वर्तमान छात्रों और कर्मचारियों को प्रेरित करता है, और स्कूल के गौरव को बढ़ावा देता है। यह धन जुटाने और भविष्य के विकास के लिए एक अवसर के रूप में भी कार्य करता है। और हमारे स्कूल की यात्रा को देखने के लिए जो 2018 में छात्रों और स्टाफ सदस्यों की एक छोटी संख्या के साथ शुरू हुई और अब 2024 तक 1500 से अधिक बच्चों और 100 शिक्षकों तक पहुंच गई है।

8 अगस्त को सभी को वीडियो भेजा गया था। उसे प्राथमिक विभाग की असेंबली के दौरान तथा प्री-प्राइमरी की आफ्टरनून मीटिंग में दिखाया गया था। बच्चों ने वीडियो देखकर और अपनी तस्वीरें देखकर आनंद लिया। बच्चों को स्कूल के सफर को जानने और देखने का मौका मिला। छात्रों पर स्कूल की सालगिरह मनाने के प्रभाव में उनके स्कूल के प्रति गौरव को बढ़ावा देना, उनमें अपनेपन की भावना को गहरा करना, उन्हें स्कूल के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करना और इसकी सफलता की विरासत में योगदान करने के लिए प्रेरित करना शामिल है।

2. Celebrations

Independence Day

The main objective behind this is that the students get opportunities to showcase their talents and build self-confidence. Students were prepared with a dance showing our incredible India and a few lines why our India is so incredible and spoke a few lines on the importance of Independence Day.

Children got to know the importance of Independence Day and the colours of our national flag and the meaning behind each colour. Assembly was having a focus on themes like kindness, unity, cooperation, and respect, reinforcing these values in young minds.

स्वतंत्रता दिवस समारोह के पीछे मुख्य उद्देश्य यह है कि छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर मिले। छात्रों को हमारे अतुल्य भारत को दर्शाने वाले एक नृत्य और कुछ पंक्तियों के साथ तैयार किया गया कि हमारा भारत इतना अतुलनीय क्यों है और उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर कुछ पंक्तियाँ बोलीं।

बच्चों को स्वतंत्रता दिवस के महत्व और हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रंगों और प्रत्येक रंग के पीछे के अर्थ के बारे में पता चला। असेंबली दयालुता, एकता, सहयोग और सम्मान जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, जिससे युवा मन में इन मूल्यों को मजबूत किया जा सके।

Friendship week celebration

Friendship Day is celebrated to honor and appreciate the special bond between friends. It is a day to express gratitude for the support, joy and companionship that friends bring into our lives.

During Mid day meal friendship day songs were played. Read aloud sessions were used to celebrate friendship day. First 20 mins a story on friendship was read out. Next 20 mins were used to tie friendship bands and exchange cards.

Students were asked to make friendship bands at home, using the best out of waste materials. Friendship Day celebration created a sense of community in the classroom. Children felt a stronger connection with their peers and their school, which improved their overall well-being and academic engagement.

मित्रता सप्ताह उत्सव

मित्रता दिवस दोस्तों के बीच विशेष बंधन का सम्मान करने और उसकी सराहना करने के लिए मनाया जाता है। यह उस समर्थन, खुशी और सहयोग के लिए आभार व्यक्त करने का दिन है जो दोस्त हमारे जीवन में लाते हैं। मिड डे मील के दौरान फ्रेंडशिप डे के गाने बजाए गए। मित्रता दिवस मनाने के लिए जोर से पढ़ें सत्र का उपयोग किया गया। पहले 20 मिनट दोस्ती पर एक कहानी पढ़ी गई। अगले 20 मिनट फ्रेंडशिप बैंड बांधने और कार्ड एक्सचेंज करने में निकल गए।

छात्रों को अपशिष्ट (waste) सामग्री से सर्वोत्तम उपयोग करके घर पर फ्रेंडशिप बैंड बनाने के लिए कहा गया। मित्रता दिवस समारोह ने कक्षा में समुदाय की भावना पैदा की। बच्चों ने अपने साथियों और अपने स्कूल के साथ एक मजबूत जुड़ाव महसूस किया, जिससे उनकी समग्र भलाई और शैक्षणिक जुड़ाव में सुधार हुआ।

<u>Jr.kg assembly on friendship day</u>

Jr.kg B class led the assembly on 12th August. Friendship skit using the key ingredients like love, care, patience, sharing and loyalty was presented. Children enjoyed making friendship soup by enactment and putting all the key ingredients for making the friendship bond stronger. They also enjoyed dancing on friendship songs.

Encourage meeting new people and forming new friendships. Express gratitude and appreciation for friends. Create joyful memories through engaging activities. Provide a supportive environment for emotional connection. Generate lasting memories. Children got to know the importance of their friends and how friends are important in their lives.

मित्रता दिवस पर जूनियर केजी द्वारा असेंबली

12 अगस्त को जूनियर केजी बीबी वर्ग द्वारा असेंबली का नेतृत्व किया गया। प्यार, देखभाल, धैर्य, साझाकरण और वफादारी जैसे प्रमुख तत्वों का उपयोग करते हुए मैत्री नाटिका प्रस्तुत की गई। बच्चों ने अभिनय करके फ्रेंडशिप सूप बनाने और दोस्ती के बंधन को मजबूत करने के लिए सभी प्रमुख सामग्रियों को डालने का आनंद लिया। उन्होंने दोस्ती के गानों पर डांस का भी लुत्फ उठाया.

नए लोगों से मिलने और नई मित्रता बनाने के लिए प्रोत्साहित करें। मित्रों के प्रति आभार और प्रशंसा व्यक्त करें। आकर्षक गतिविधियों के माध्यम से आनंददायक यादें बनाएँ। भावनात्मक जुड़ाव के लिए एक सहायक वातावरण प्रदान करें। स्थायी यादें उत्पन्न करें. बच्चों को पता चला कि उनके दोस्तों का क्या महत्व है और उनके जीवन में दोस्त कितने महत्वपूर्ण हैं।

3. National Sports Day

National Sports Day was celebrated during the week with various sports competitions.

Day 1 - 28/08/2024 yoga balancing inter house competition

DAY 2 - 29/08/2024 skipping rope inter house competition

In yoga balancing the main focus was on tree pose and Flamingo pose and skipping

Mind body synchronization and balancing poses in yoga requires a deep connection between mind and body. Rhythmic coordination, the synchronization of footwork, hand movement, and rope speed requires intense concentration

Consistent yoga practice encourages alignment and posture. Success in competition builds self - confidence and a sense of achievement.

It also encourages physical fitness. Enhances concentration and focus. Promotes mind body connection. Promote physical activity, fitness and wellbeing. It improves cardiovascular fitness and develops discipline and focus.

राष्ट्रीय खेल दिवस

सप्ताह के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के साथ राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया।

दिवस 1 - 28/08/2024 योग संतुलन अंतर सदन प्रतियोगिता

दिवस 2 - 29/08/2024 रस्सी कूद अंतर सदन प्रतियोगिता

योग संतुलन में मुख्य ध्यान वृक्ष मुद्रा और फ्लेमिंगो मुद्रा और स्किपिंग पर था।

योग में मन शरीर सिंक्रनाइज़ेशन और संतुलन मुद्रा की आवश्यकता होती है। मन और शरीर के बीच गहरा संबंध. लयबद्ध समन्वय, फुटवर्क, हाथ की गति और रस्सी की गति के समन्वय के लिए गहन एकाग्रता की आवश्यकता होती है।

लगातार योग अभ्यास संरेखण और मुद्रा को प्रोत्साहित करता है। प्रतियोगिता में सफलता से आत्मविश्वास और उपलब्धि की भावना पैदा होती है।

यह शारीरिक तंदुरुस्ती को भी प्रोत्साहित करता है। एकाग्रता और फोकस को बढ़ाता है। मन-शरीर संबंध को बढ़ावा देता है। शारीरिक गतिविधि, फिटनेस और खुशहाली को बढ़ावा दें। यह हृदय संबंधी फिटनेस में सुधार करता है और अनुशासन और फोकस विकसित करता है।

Football inter house competition

On 24/08/2024 Football Inter-house competition was conducted. Total 12 matches were held for boys and girls each.

Through these competitions the team fosters bonding and enhances gross motor skills, children are developing a strong team spirit, understanding the excitement of league matches, and improving their overall coordination and engagement in team sports.

फुटबॉल इंटर हाउस प्रतियोगिता

24/08/2024 को फुटबॉल इंटर हाउस प्रतियोगिता आयोजित की गई। लड़के एवं लड़कियां वर्ग के कुल 12-12 मैच आयोजित किये गये।

टीम बॉन्डिंग, ग्रॉस मोटर स्किल, टीमस्पोर्ट भावना सीखना और लीग मैच भागीदारी और उत्साह की समझ। सांघिक खेलों के प्रति जुड़ाव। बच्चों के बीच टीम समन्वय में सुधार हुआ।

4. Football tournament

The Donors Trans Union organized a Football tournament on 31st August. The tournament was held at Bandra in St. Stanislaus football turf sports complex. Participating Schools were MLMPS, WBMPS, NNMPS and NMMC.
14 students participated in the under-12 category out of which there were 7 boys and 7 girls. The boys team won the match.
Both the teams showcased impressive energy and enthusiasm in their first competition and the boys received medals and a trophy. We are proud of the hard work put in by both the team for their outstanding performances.

फुटबॉल टूर्नामेंट

डोनर्स ट्रांस यूनियन ने 31 अगस्त को फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया। यह टूर्नामेंट बांद्रा के 'सेंट स्टैनिस्लॉस फुटबॉल टर्फ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' में आयोजित किया गया था। भाग लेने वाले स्कूल एमएलएमपीएस, डब्ल्यूबीएमपीएस, एनएनएमपीएस और एनएमएमसी थे। अंडर-12 वर्ग में 14 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें 7 लड़के और 7 लड़कियां थीं। लड़कों की टीम ने मैच जीत लिया। दोनों टीमों ने अपनी पहली प्रतियोगिता में प्रभावशाली ऊर्जा और उत्साह दिखाया और लड़कों ने पदक और एक ट्रॉफी प्राप्त की। हमें दोनों टीमों द्वारा उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए की गई कड़ी मेहनत पर गर्व है।

COMMUNITY ENGAGEMENT

1. Community Visit

Community visits are conducted to strengthen relationships with parents and children by gaining insights into their well-being, health, and nutritional intake, fostering a supportive environment for their overall development.

Grade 6 and 7 teachers did a community visit on 9th of August. They visited houses of kids for whom they had selected for the month and informed the parents about the visit a day prior. Objective was to discuss the well being and nutritional intake of children and family. Teachers had great experience of Meeting the families beyond the school premises. Teachers also visited on Saturdays of the month as per the availability of the parents. The outcome of a community visit typically involved understanding local needs, building relationships, and gathering insights to address issues or implement projects effectively. It can also help in fostering collaboration and gaining support from community members. Stronger relationships and trust is built with the community. Parents and children feel free to connect and reach out with their problems. Teachers are more empathetic towards the child and family by knowing them closely.

सामुदायिक जुड़ाव

सामुदायिक भेंट

माता-पिता और बच्चों की भलाई, स्वास्थ्य और बच्चों के पोषण संबंधी सेवन को जानकर उनके साथ संबंध बनाना सामुदायिक भेंट का मूल हेतु होता है।

THE AKANKSHA FOUNDATION MUMBAI-33

ग्रेड 6 और 7 के शिक्षकों ने 9 अगस्त को सामुदायिक दौरा किया। उन्होंने उन बच्चों के घरों का दौरा किया जिनके लिए उन्होंने महीने का चयन किया था और माता-पिता को एक दिन पहले दौरे के बारे में सूचित किया। उद्देश्य

बच्चे और परिवार की भलाई और पोषण सेवन पर चर्चा करना निर्धारित किया गया था। शिक्षकों को स्कूल परिसर के बाहर परिवारों से मिलने का बहुत अच्छा अनुभव था। अभिभावकों की उपलब्धता के अनुसार महीने के शनिवार को शिक्षक भी आते थे। सामुदायिक दौरे के नतीजे में आम तौर पर स्थानीय जरूरतों को समझना, रिश्ते बनाना और मुद्दों को संबोधित करने या परियोजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए अंतर्दृष्टि इकट्ठा करना शामिल होता है। यह सहयोग को बढ़ावा देने और समुदाय के सदस्यों से समर्थन प्राप्त करने में भी मदद कर सकता है। इससे समुदाय के साथ मजबूत रिश्ते और विश्वास बनता है। माता-पिता और बच्चे बेझिझक अपनी समस्याओं से जुड़ सकते हैं और उन तक पहुँच सकते हैं। शिक्षक बच्चे और परिवार को करीब से जानकर उनके प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं।

2. Tiranga thali

On the occasion of 15th August, a "Tiranga Thali" celebration was organized. The purpose of this celebration was to encourage students and parents to prepare healthy meals at home. The idea was for them to make food in the colors of the Indian tricolor flag using natural ingredients and enjoy it with their families. Many parents created beautiful and healthy "Tiranga Thalis." The school consistently promotes healthy food, and both students and parents actively participate in such events.

तिरंगा थाली

15 अगस्त के अवसर पर तिरंगा थाली उत्सव का आयोजन किया गया। इस उत्सव का उद्देश्य छात्रों और अभिभावकों को घर पर स्वस्थ भोजन तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करना था। उनका विचार प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग करके भारतीय तिरंगे झंडे के रंग में भोजन बनाना और अपने परिवारों के साथ इसका आनंद लेना था। कई माता-पिता ने सुंदर और स्वस्थ तिरंगा थालियां बनाईं। स्कूल लगातार स्वस्थ भोजन को बढ़ावा देता है, और छात्र और माता-पिता दोनों ऐसे आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

3. CSA meeting with parents

A meeting with parents was held on the 23rd and 24th of August 2024 on the topic of child sexual abuse and Handling disclosure during the meeting, awareness was raised among parents about the ongoing violence. The importance of ensuring children's physical, mental, and emotional safety was discussed. Parents were informed about how to communicate with their children, how to guide them to stay safe, and what steps to take if violence occurs.

Information was provided on how to handle such cases and where to file complaints as well as how the school will provide support in certain situations as well as what kind of mechanism or support is provided in the school. Parents responded positively, stating that they received useful and important information during the meeting.

माता-पिता के साथ सीएसए (CSA) की बैठक

माता-पिता के साथ सीएसए (CSA) की एक बैठक 23 और 24 अगस्त 2024 को बाल यौन शोषण और हैंडलिंग विषय पर आयोजित की गई। बैठक के दौरान माता-पिता के बीच चल रही हिंसा के बारे में जागरूकता बढ़ाई गई। बच्चों की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व पर चर्चा की गई। माता-पिता को बताया गया कि वे अपने बच्चों के साथ कैसे संवाद करें, उन्हें सुरक्षित रहने के लिए कैसे मार्गदर्शन करें और हिंसा होने पर क्या कदम उठाएं। ऐसे मामलों को कैसे संभालना है और शिकायत कहां दर्ज करनी है, साथ ही स्कूल कुछ स्थितियों में कैसे सहायता प्रदान करेगा और स्कूल में किस प्रकार की व्यवस्था या सहायता प्रदान की जाती है, इस बारे में जानकारी प्रदान की गई। अभिभावकों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें बैठक के दौरान उपयोगी और महत्वपूर्ण जानकारी मिली।